एक नजर

गन्ने के खेत में गौकशी करते दो आरोपी गिरफ्तार, तीन फरार

स्वतंत्र चेतना

हरिद्वार। लक्सर कोतवाली पुलिस ने ग्राम संघीपुर में गन्ने के खेत में गौकशी किए जाने का मामला पकड़ा है। पुलिस ने मौके से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया, जबकि तीन आरोपी अंधेरे और गन्ने की फसल का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने मौके से करीब 120 किलो गौमांस और गौकशी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए हैं। लक्सर कोतवाली निरीक्षक परवीन सिंह कोश्यारी ने बताया कि 27 अक्टूबर को पुलिस टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान ग्राम संघीपुर स्थित गन्ने के खेत में गौकशी किए जाने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस ने मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखकर वहां मौजूद पांच आरोपियों में से दो को पकड़ लिया गया, जबकि तीन आरोपी फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अय्यूब पुत्र ईसाक और आरिफ पुत्र एनुलहक, निवासी ग्राम संघीपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से करीब 120 किलो गौमांस के अलावा दो कुल्हाड़ी, दो छुरी, इलेक्ट्रॉनिक तराजू और पैकिंग में इस्तेमाल होने वाली प्लास्टिक की पन्नियां बरामद की हैं। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ उत्तराखंड गोवंश संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है। फरार तीन आरोपियों की तलाश की जा रही है। कार्रवाई करने वाली टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक राजेश बिष्ट, उपनिरीक्षक रोहित कुमार समेत पुलिसकर्मी शामिल रहे।

फायरिंग और जानलेवा हमले के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र चेतना

हरिद्वार। झबरेड़ा कोतवाली पुलिस ने जानलेवा हमले और फायरिंग के मामले में वांछित चल रहे नामजद आरोपित आर्यन को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपित को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश कर रही है। पुलिस के अनुसार, 10 अक्टूबर को विजय पुत्र करण सिंह निवासी ग्राम टिकौला कला, कोतवाली मंगलौर ने झबरेड़ा कोतवाली में तहरीर देकर बताया था कि नौ अक्टूबर की घटना में विक्कल उर्फ काली, आर्यन और उनके अन्य साथियों ने उन पर और उनके भतीजे पर जानलेवा हमला कर चोट पहुंचाई। आरोप है कि हमलावरों ने जान से मारने की नीयत से गोली भी चलाई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर ऑपरेशन प्रहार के तहत वांछित, इनामी और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में झबरेड़ा पुलिस ने नामजद आरोपी आर्यन पुत्र संदीप उर्फ कुलदीप निवासी ग्राम शेरपुर खेलमऊ, कोतवाली झबरेड़ा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिक कार्यवाही करते हुए उनका चालान कर दिया है।

आपदा के प्रति जागरूकता और तैयारी जरूरी : प्रो. प्रतिभा

स्वतंत्र चेतना

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के जन्तु एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग में आपदा प्रबंधन विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. प्रतिभा मेहता लूथरा ने कहा कि एनसीसी छात्र जीवन में अनुशासन का आधार है। अनुशासित छात्र ही भविष्य में देश और समाज का नेतृत्व करने में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यशाला आपदा के समय आमजन की मदद करने और लोगों को जागरूक करने की दिशा में कैडेट्स के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। विभागाध्यक्ष प्रो. नमिता जोशी ने कहा कि वर्तमान समय में आपदा प्रबंधन बेहद महत्वपूर्ण विषय है। आपदा से निपटने के लिए समाज में जागरूकता जरूरी है। विश्वविद्यालय में आपदा प्रबंधन का डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है। कार्यशाला के माध्यम से कैडेट्स को क्षेत्रीय स्तर पर व्यावहारिक जानकारी मिलेगी। आरएस टोलिया अकादमी के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. ओम प्रकाश ने कहा कि उत्तराखंड आपदाओं की दृष्टि से संवेदनशील राज्य है। हरिद्वार में बाढ़ का खतरा भी बड़ी चुनौती है, जिससे लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि राज्य भूकंप की दृष्टि से भी संवेदनशील है। ऐसे में समय रहते तैयारी करने और आमजन को जागरूक करने की आवश्यकता है। आपदा के दौरान एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। कार्यक्रम का संचालन मेजर डॉ. राकेश भूटियानी ने किया।

वर्चुअल लैब और रोबोटिक्स की बारीकियों से रूबरू हुए विद्यार्थी



स्वतंत्र चेतना

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी (समविश्वविद्यालय) के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग में वर्चुअल लैब और रोबोटिक्स विषय पर दो कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इनमें विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों की जानकारी देने के साथ उनके व्यावहारिक उपयोग और कार्यप्रणाली से भी परिचित कराया गया। आईआईटी रुड़की के सहयोग से आयोजित वर्चुअल लैब कार्यशाला में संस्थान से आए पंकज सैनी और प्रियांशु शर्मा ने विद्यार्थियों को विभिन्न इंजीनियरिंग प्रयोगों के लिए वर्चुअल लैब के उपयोग का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न प्रयोग कर सकते हैं और तकनीकी अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं।कार्यशाला समन्वयक अविरल अवस्थी ने बताया कि विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ प्रयोगात्मक अनुभव प्रदान करना और उनमें प्रोजेक्ट निर्माण के प्रति रुचि विकसित करना कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य रहा। रोबोटिक्स कार्यशाला में सेंसर, मोटर, नियंत्रण प्रणाली और ऑटोमेशन की भूमिका पर चर्चा की गई। रोबोटिक्स कार के प्रदर्शन के माध्यम से विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक एवं यांत्रिक घटकों के समन्वय, नियंत्रण तकनीक और रोबोट की कार्यप्रणाली समझाई गई। इस अवसर पर योगेश कुमार, डॉ. आशीष धमान्दा, विकुल कुमार, संजय कुमार, देवानन्द जोशी, अपूर्व कौशिक, कृष्णवीर और प्रद्युम्न उपस्थित रहे। छात्र समन्वयक प्रिंस शर्मा, ध्रुव शर्मा, वैभव राज, शौर्य पुंडीर और आर्यन ने आयोजन एवं संचालन में सहयोग किया।

स्कूलों में बच्चों को बताए सुरक्षा के कानूनी अधिकार



स्वतंत्र चेतना

हरिद्वार। बच्चों को सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने और उन्हें अपने कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) एवं पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षित बचपन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को धनौरी, कलियर, माजरी और इमलीखेड़ा के चार विद्यालयों में विधिक जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। 28 अक्टूबर को आयोजित इन कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं को बाल अधिकारों, पॉक्सो एक्ट की बुनियादी जानकारी और मानसिक एवं शारीरिक शोषण से बचाव के उपायों के बारे में बताया गया। साथ ही बच्चों को सुरक्षा कानूनों और कानूनी सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया। राजाबाबू इंटर कॉलेज, आसफनगर धनौरी में एसीजेएम हरिद्वार एवं उपनिरीक्षक महिपाल सैनी की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित हुआ। एमजीएफएम इंटर कॉलेज, कलियर में प्रथम अपर जिला जज रुड़की अंबिका पंत, प्रभारी निरीक्षक कमल मोहन भंडारी और वरिष्ठ उपनिरीक्षक रमेश कुमार सैनी मौजूद रहे। माजरी इंटर कॉलेज में एसीजेएम द्वितीय रुड़की एवं अपर उपनिरीक्षक सूरज नेगी तथा राजकीय इंटर कॉलेज, इमलीखेड़ा में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम रुड़की दीप्ति पंत और उपनिरीक्षक योगेश कुमार की मौजूदगी में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रमों में न्यायिक अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने बच्चों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी। इस दौरान छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय लोगों ने अपनी जिज्ञासाएं रखीं और अधिकारियों से संवाद कर कानूनी प्रक्रियाओं को समझा। विद्यालय प्रबंधन, स्थानीय नागरिकों और छात्र-छात्राओं ने न्याय प्रशासन एवं पुलिस के इस संयुक्त प्रयास की सराहना की। अभियान का उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक कर सुरक्षित बचपन सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी पहल करना है।

कुंभ से पहले पंतद्वीप क्षेत्र के विकास कार्य पूरे करने के निर्देश

स्वतंत्र चेतना



हरिद्वार। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को लेकर मेला प्रशासन ने विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को मेलाधिकारी सोनिका ने पंतद्वीप, कांगड़ा घाट और मालवीय द्वीप क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी महत्वपूर्ण कार्य कुंभ शुरू होने से पहले पूरे करने और निर्माण में गुणवत्ता मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने घाटों, पार्किंग, वॉक-वे, वेंडिंग जोन, शौचालयों, प्रकाश व्यवस्था, ड्रेनेज और सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने कार्यदायी संस्था यूपीडीसीसी के अधिकारियों को निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, टाइलिंग और फिनिशिंग पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों में लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मेलाधिकारी ने कुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए आवागमन सुगम बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वॉक-वे और आसपास के घाटों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही व्यवस्थित होनी चाहिए। घाटों पर रेलिंग, चेन और अन्य सुरक्षा उपायों के साथ पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई और गंगा तटों की स्पष्ट दृश्यता सुनिश्चित की जाए। पंतद्वीप क्षेत्र को अतिक्रमणमुक्त रखने के लिए भी प्रभावी प्रबंध करने को कहा। मेलाधिकारी ने कांगड़ा घाट और मालवीय द्वीप क्षेत्र में घाटों, पुलों और संपर्क मार्गों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पुराने घाटों के रखरखाव और मरम्मत पर विशेष जोर दिया। गंग नहर की प्रस्तावित बंदी की अवधि का उपयोग करते हुए उन घाटों और पुलों के हिस्सों की मरम्मत एवं पेंटिंग तत्काल कराने के निर्देश दिए, जो सामान्य दिनों में पानी में डूबे रहते हैं। साथ ही गंगा तट के आसपास स्थित भवनों और आश्रमों में फसाड योजना के अनुरूप रंग-रोगन कराने को कहा। हरिद्वार में कुंभ मेला-2027 के लिए अवस्थापना विकास के कई कार्य कराए जा रहे हैं। उत्तराखंड इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट डेवलपमेंट बोर्ड (यूआईआईडीबी) की ओर से हरकी पैड़ी-रोड़ी बेलवाला क्षेत्र के पुनर्विकास और हरकी पैड़ी के उत्तरवर्ती क्षेत्र के विकास की परियोजनाएं भी संचालित की जा रही हैं। मेला प्रशासन इन कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता की नियमित निगरानी कर रहा है, ताकि कुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को आवागमन, ठहराव और सुरक्षा संबंधी बेहतर सुविधाएं मिल सकें। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त नंदन कुमार, अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती, उप मेलाधिकारी मनजीत सिंह, यूपीडीसीसी के परियोजना प्रबंधक आशीष भट्ट सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आठवें वेतन आयोग में पेंशन पुनरीक्षण पर स्थिति स्पष्ट करे केंद्र सरकार: पेंशनर्स



स्वतंत्र चेतना

हरिद्वार। आठवें वेतन आयोग की संदर्भित शर्तों में वर्तमान पेंशनरों के पेंशन पुनरीक्षण को लेकर स्थिति स्पष्ट न होने से पेंशनर संगठनों में नाराजगी बढ़ गई है। पेंशनरों ने एक जनवरी 2026 से पहले सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन पुनरीक्षण पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग कर आंदोलन की चेतावनी दी है। सेवानिवृत्त वन अधिकारी कर्मचारी कल्याण समिति के तत्वावधान में टाइगर रिजर्व रानीपुर के मुख्य द्वार स्थित सभागार में बुधवार को पेंशनरों की सभा हुई। अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष वीएस तोमर ने की, संचालन राजवीर सिंह मलिक और केएन तिवारी ने किया। गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। सभा में पेंशनर्स संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बीपी चौहान, उपाध्यक्ष सुखवंश सिंह, महामंत्री जेपी चाहर, कोषाध्यक्ष आरसी पंत और उमाशंकर पांडेय को सम्मानित किया गया।

महामंत्री जेपी चाहर ने कहा कि मुख्य सचिव की बैठक के बाद भी गोल्डन कार्ड की खामियां, कम्यूटेशन कटौती, नॉशनल इंक्रीमेंट, पेंशन पहचान पत्र और अतिरिक्त पेंशन जैसे मुद्दे लंबित हैं। उन्होंने आठवें वेतन आयोग की टीओआर में पेंशनरों को शामिल न करने और वित्त विधेयक 2025 में भेदभाव का विरोध करने का आह्वान किया। प्रांतीय अध्यक्ष तोमर ने सभी को वन्यजीव संरक्षण का संकल्प दिलाया। दिवंगत सदस्यों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना भी की गई। इस दौरान डीपी वर्मा, सतपाल सैनी, कुंवर एसपी सिंह सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

खेल प्रतियोगिताओं का समापन, विजेता खिलाड़ी सम्मानित

स्वतंत्र चेतना



हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में विगत एक माह से आयोजित विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का बुधवार को समापन समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न खेलों के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने खेल भावना, टीमवर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का परिचय दिया। समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा मेहता लूथरा ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। अभियांत्रिकी के विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलकूद और योगासन के लिए भी समय निकालना चाहिए। खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सहयोग और आत्मविश्वास विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में डिजिटल खेलों का संसार भी तेजी से विकसित हो रहा है, जिसका विद्यार्थियों की मनोवृत्ति पर प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में शारीरिक गतिविधियों और खेलों में सक्रिय भागीदारी जरूरी है। संकायाध्यक्ष प्रो. मयंक अग्रवाल ने कहा कि खेलकूद विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का अभिन्न अंग हैं। ऐसी प्रतियोगिताएं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, आपसी सहयोग और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देती हैं। संकाय में बैडमिंटन, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट, कबड्डी और टेबल टेनिस प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विभिन्न टीमों के बीच नॉकआउट प्रारूप में मुकाबले हुए। क्रिकेट प्रतियोगिता (जीपीएल) के लिए मैदान की साज-सज्जा एवं सौंदर्यीकरण का कार्य भी विद्यार्थियों ने स्वयं किया। प्रतियोगिताओं में जीपीएल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी सचिन खत्री, बास्केटबॉल के अभिजीत, कबड्डी के हिमांशु और वॉलीबॉल के नवीन रहे। टेबल टेनिस में श्रेया ने विजेता का स्थान प्राप्त किया। बैडमिंटन सहित अन्य खेलों के विजेताओं एवं उपविजेताओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनता चौरिटेबल के डॉ. अमन गुप्ता ने सहयोग प्रदान करते हुए कहा कि एक माह तक आयोजित खेल गतिविधियों में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता सराहनीय रही। खिलाड़ियों को शील्ड और ट्रॉफी देकर प्रोत्साहित किया गया।समस्त खेल गतिविधियां डॉ. धर्मेंद्र बलयान के मार्गदर्शन में संपन्न हुईं। आयोजन को सफल बनाने में स्वयंसेवक आर्यन, सुधांशु, भारत, ज्ञान, अभिजीत एवं वासुदेव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ई-कार्ट और सिटी बस संचालन के विरोध में उतरे ऑटो-विक्रम चालक, 30 को नगर निगम घेराव का ऐलान

स्वतंत्र चेतना



हरिद्वार। धर्मनगरी में ई-कार्ट और सिटी बसों के संचालन की योजना के विरोध में ऑटो, विक्रम और ई-रिक्शा संयुक्त महासंघ ने मोर्चा खोल दिया है। महासंघ ने सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई और सिटी मजिस्ट्रेट हरगिरि को ज्ञापन सौंपा। महासंघ ने चेतावनी दी कि योजना वापस नहीं लेने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। महासंघ अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा ने कहा कि प्रशासन को गरीब और मेहनतकश लोगों के हितों का ध्यान रखना चाहिए। ई-कार्ट और सिटी बस संचालन की योजना से हजारों परिवारों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हरिद्वार में पहले से ही करीब 14 हजार ई-रिक्शा संचालित हैं। ऐसे में ई-कार्ट और सिटी बसों के संचालन से यातायात का दबाव और बढ़ेगा। रोजगार के सीमित अवसरों के बीच यह योजना कई लोगों को बेरोजगारी की ओर धकेल सकती है। उन्होंने ऐलान किया कि 30 अक्टूबर को हजारों की संख्या में ई-रिक्शा, ऑटो और विक्रम चालक व वाहन स्वामी नगर निगम का घेराव करेंगे। राजू मनोचा और नवीन तेश्वर ने कहा कि जब तक योजना वापस नहीं ली जाती, विरोध जारी रहेगा। उन्होंने सवाल उठाया कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में ई-रिक्शा के संचालन पर रोक और पाबंदियां लगाई जाती हैं, जबकि ई-कार्ट व सिटी बसों के संचालन की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने ई-कार्ट के पंजीकरण, टैक्स और बीमा को लेकर भी सवाल उठाए। धरना-प्रदर्शन में विष्णु अरोड़ा, आदेश पंडित, अशोक कुमार, जगदीश भारद्वाज, हरीश अरोड़ा, कपिल बिश्नोई, राजकुमार, अमर मिश्रा, सुभाष, सुमित कुमार, रवि शर्मा, मांगेराम, प्रमेंद्र, देवा ठाकुर, राजेंद्र यादव, मनोज कुमार, गोपाल साहू और संजीव चतुर्वेदी सहित अन्य लोग शामिल रहे।

सनातन को बदनाम करने के षड्यंत्रों का प्रमाणों के साथ होगा पर्दाफाश : रामदेव

त्रिदिवसीय अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन का भव्य शुभारंभ आज से

स्वतंत्र चेतना, रितेश कुमार तिवारी



हरिद्वार। हरिद्वार स्थित पतंजलि विश्वविद्यालय में 29 से 31 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 52वें अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन में सनातन धर्म और भारतीय ज्ञान परंपरा को बदनाम करने के षड्यंत्रों का तथ्यों और प्रमाणों के साथ पर्दाफाश किया जाएगा। योग गुरु स्वामी रामदेव ने बुधवार को कनखल स्थित दिव्य योग मंदिर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सम्मेलन की रूपरेखा और उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के विद्वान, शिक्षाविद और शोधकर्ता शामिल होंगे।

स्वामी रामदेव ने सनातन धर्म और वैदिक परंपराओं पर सवाल उठाने वालों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि वेदों में भेदभाव नहीं, बल्कि समस्त मानवता के कल्याण का संदेश निहित है। सनातन को संकीर्ण दृष्टि से देखने वालों को अपनी सोच का विस्तार करना चाहिए। सनातन केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन को देखने, प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने और संपूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग है।

भारत की पहचान उसकी ऋषि परंपरा, वेदों, उपनिषदों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से है। इस विरासत पर गर्व करना प्रत्येक भारतीय का स्वाभाविक अधिकार है। अपनी परंपराओं को जाने बिना उन पर सवाल उठाना और हीनभावना रखना उचित नहीं है। सनातन की मूल भावना समन्वय, सह-अस्तित्व, करुणा और विश्व कल्याण की है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को किसी पूर्वाग्रह के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। वेदों का संदेश किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव जीवन को श्रेष्ठ बनाने की प्रेरणा देता है। सनातन परंपरा ने सदियों से विचारों के आदान-प्रदान, आध्यात्मिक चिंतन और ज्ञान की विभिन्न धाराओं को स्थान दिया है।

भारत की सांस्कृतिक विरासत अतीत की धरोहर के साथ वर्तमान और भविष्य के लिए भी मार्गदर्शक है। योग, आयुर्वेद, अध्यात्म और वैदिक ज्ञान की प्रासंगिकता आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। स्वामी रामदेव ने आरोप लगाया कि कुछ लोग धर्मशास्त्रों और पुराणों के संदर्भों में बदलाव कर ऐसी बातें प्रस्तुत करते हैं, जिससे सनातन धर्म और आराध्य देवी-देवताओं की छवि प्रभावित होती है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम और माता सीता को मांसाहार एवं मदिरापान से जोड़कर प्रस्तुत करना, भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य महारास को गलत संदर्भ में अपभ्रंश बताना और महायोगी शिव को नशे से जोड़कर दिखाना, इसी षड्यंत्र का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि धार्मिक विषयों पर धारणा बनाने से पहले मूल संदर्भों और प्रमाणों को समझना जरूरी है। सनातन के विषय में अनर्गल आरोप लगाने वालों को तथ्यों के आधार पर बात रखनी चाहिए। सम्मेलन के दौरान वेद, उपनिषद, योग, आयुर्वेद, भारतीय दर्शन और संस्कृत साहित्य पर विद्वान शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे। पुस्तक प्रदर्शनी, शास्त्रार्थ और सांस्कृतिक गतिविधियां भी होंगी। भ्रामक बातें फैलाने वालों के मामलों में कानूनी पहलुओं पर विचार करने के लिए कमेटी गठित करने का प्रस्ताव रखा जाएगा।

सनातन बोर्ड के गठन पर उन्होंने कहा कि अखाड़ा परिषद और संत समिति जैसे बड़े संगठन पहले से मौजूद हैं, नए बोर्ड का स्वरूप स्वायत्त होगा या अलग, इस पर स्थिति स्पष्ट होनी बाकी है।

देश में तख्तापलट की आशंकाओं पर स्वामी रामदेव ने कहा कि भारत में बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल या मिडिल ईस्ट के देशों की तरह तख्तापलट नहीं होने वाला है। हमारे पास लाखों की संख्या में सैनिक, अर्धसैनिक बल, पुलिस फोर्स, न्यायालय और मजबूत लोकतंत्र है। जिसको सत्ता चाहिए वह लोकतांत्रिक तरीके से आसीन हो सकता है, सड़कों से रिजीम चेंज नहीं हो सकता। उन्होंने नेताओं से अपील की कि मेरा दल और मेरा नेता की सोच से ऊपर उठकर राजधर्म और राष्ट्रधर्म को प्राथमिकता दें।

परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई, 69 चालान, नौ वाहन सीज

स्वतंत्र चेतना

हरिद्वार। त्योहारी सीजन में यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग ने सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर एआरटीओ (प्रवर्तन) नेहा झा के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के 69 चालान किए गए, जबकि नौ वाहनों को सीज किया गया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी निखिल शर्मा ने बताया कि अभियान के दौरान श्यामपुर, ऋषिकुल, जगजीतपुर, मिस्सरपुर, देवपुरा, सिडकुल समेत विभिन्न क्षेत्रों में वाहनों की जांच की गई। इस दौरान मालवाहक वाहनों, बसों, मोटर कैब, ई-रिक्शा, तिपहिया और दोपहिया वाहनों को चेक किया गया। जांच में मालवाहक वाहनों में ओवरलोडिंग, यात्री वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने, बिना वैध परमिट संचालन और परमिट शर्तों के उल्लंघन के मामले सामने आए। मालवाहक वाहनों में यात्रियों को ढोने पर भी कार्रवाई की गई। इसके अलावा चेकिंग के लिए रोके जाने के संकेत की अनदेखी करने, बिना प्रभावी ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने, बिना बीमा संचालन और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर भी चालान किए गए। गलत लेन में वाहन चलाने, प्रतिबंधित स्थान पर पार्किंग, मानक के अनुरूप पंजीयन चिह्न प्रदर्शित नहीं करने, रिफ्लेक्टर नहीं लगाने और कर संबंधी अभिलेख व उत्तराखंड प्रवेश उपकर के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने के मामले भी कार्रवाई के दायरे में आए। परिवहन विभाग ने वाहन चालकों और संचालकों से निर्धारित क्षमता के अनुसार ही सवारी व माल ढोने, सभी जरूरी दस्तावेज वैध रखने और चेकिंग के दौरान सहयोग करने की अपील की। विभाग ने यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े मानकों का पालन करते हुए ही वाहनों का संचालन करने पर जोर दिया।

गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

रजिस्टर्ड ऑफिस: 6वीं मंज़िल, बी बिल्डिंग, गागा टूनो, लोहेगांव, पुणे, महाराष्ट्र 411014

यूनिट से ब्रांच: आर.के. टावर, दूसरी मंज़िल, स्वामी हरिचूराम ट्रस्ट के सामने, कनखल रोड, आर्य नगर चौक, ज्वालापुर, हरिद्वार, उत्तराखंड - 249407

ई-ऑक्शन सेल नोटिस सरफेसी एक्ट के तहत सुरक्षित अचल संपत्ति की बिक्री

'सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एंड एनफोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002' (जिसे आगे 'एक्ट' कहा गया है) और 'सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एनफोर्समेंट) रूल्स, 2002' के नियम 8 और 9 के तहत अचल संपत्तियों की ई-नीलामी **(E-auction)** के लिए बिक्री सूचना।

आम जनता और विशेष रूप से उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/बंधककर्ता/गारंटर को सूचित किया जाता है कि नीचे बताई गई अचल संपत्तियां 'ग्रिहुम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड' (जिसे आगे 'एक्ट' के अनुसार 'सिक्योर्ड क्रेडिटर' कहा गया है) के पास बंधक थीं। 'एक्ट' की धारा 13(2) के तहत नोटिस जारी करने के बाद, 'सिक्योर्ड क्रेडिटर' के अधिकृत अधिकारी ने 'एक्ट' की धारा 13(12) और 'सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एनफोर्समेंट) रूल्स' के नियम 8 व 9 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए इन संपत्तियों का कब्ज़ा ले लिया है।

इन संपत्तियों (सिक्योर्ड एसेट्स) को 30-11-2026 को ई-नीलामी के ज़रिए ह्यजैसी है, जहां है', ह्यजैसी है, वैसी है' और 'जो कुछ भी है, उसी स्थिति में' **(As is where is, As is what is, and Whatever there is)** के आधार पर बेचा जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यह ई-नीलामी वेबसाइट **https://www.bankeauctions.com** पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित की जाएगी।

प्रस्ताव संख्या ग्राहक का नाम {ए}	मांग सूचना दिनांक और उत्कृष्ट राशि {बी}	कब्जे की प्रकृति {सी}	विवरण संपत्ति का {डी}	संरक्षित कीमत {ई}	ईएमडी (10% आरपी के) {एफ}	ईएमडी जमा करने की तिथि {जी}	वृद्धिशील बोली {एच}	संपत्ति निरीक्षण दिनांक एवं समय {क}	दिनांक और का समय नीलामी {जे}	ज्ञात अतिक्रमण-प्रतिबंध/उदाहरत मामले यदि कोई हों {के}
ऋण सं. HL0017310000 0005060669 सुशील कुमार (उधार लेने वाला) गोल्डी उपाध्याय (सी.ओ उधार लेने वाला)	नोटिस की तारीख: 09-07-2026 कुल बकाया राशि: 2,41,310/- रुपये (दो लाख इकतालीस हजार तीन सौ दस रुपये मात्र) 09-07-2026 तक देय, साथ ही पूरी अदायगी होने तक 12.84% प्रति वर्ष की दर से ब्याज।	भौतिक	वह पूरी निर्मित आवासीय संपत्ति / फ्लैट, जिसका फ्लैट नंबर द-305 (तीसरी मंजिल) है, और जिसका कुल कार्पेट एरिया 23.04 वर्ग मीटर है। यह संपत्ति "ओजस आवास विकास आनेकी हेतमपुर" नामक प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जो खसरा नंबर 1840 और 1841 के अंतर्गत आता है, और गाँव आनेकी हेतमपुर, तहसील व जिला हरिद्वार में स्थित है।	रु. 525000.00/- (पाँच लाख पच्चीस हजार रुपये मात्र)	रु. 52500.00/- (रुपये बावन हजार पांच सौ मात्र)	27-11-2026 शाम 5 बजे से पहले	10,000/-	23-11-2026 (सुबह 11 बजे शाम 4 बजे)	30-11-2026 (सुबह 11 बजे दोपहर 2 बजे)	शून्य

बोली लगाने वालों/खरीददारों को सलाह दी जाती है कि वे बोली जमा करने से पहले 'सिक्योर्ड क्रेडिटर' (सुरक्षित लेनदार) की शाखा और नीलाम होने वाली संपत्तियों का दौरा करें। वे खुद पूरी जांच-पड़ताल कर लें, अतिरिक्त शुल्कों, किसी तरह के कानूनी बोझ **(encumbrances)** या किसी तीसरे पक्ष के अधिकारों के बारे में पता लगा लें और हर तरह से संतुष्ट हो लें।

संपत्ति से जुड़े सभी वैधानिक बकाया, जैसे प्रॉपर्टी टैक्स, बिजली/पानी के बिल या अन्य कोई भी बकाया, सफल बोलीदाता को ही पता लगाने होंगे और उनका भुगतान करना होगा।

इच्छुक बोलीदाताओं को नीलामी सेवा प्रदाता 'C1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' **(C1 India Pvt Ltd)** के पोर्टल पर पहले से ही